(b) Yes, Sir. According to replies received the following States have created export promotion set-up;

Orissa, Haryana, Punjab, Uttar Pra desh.

(c) It is not possible to quantify the extent to which export will in crease as a result of this step.

उपभोक्ता वस्तुओं को उपलब्धता से संबंधित नई वाणिज्यिक और उत्पाद शुल्क नीति का प्रभाव

375. **डा० अबरार अहमद :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हमारी नई वाणिज्यिक और आयात-निर्यात नीति का पिछले तीन माह के दौरान भारत के विदेश व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ा है ;

(ख) क्या यह सच है कि पिछले वर्षों के मुकाबले गत तीन माह के दौरान देश के औसत निर्यात में गिरावट आई है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) उन उपभोक्ता वस्तुओं के नाम क्या हैं जिनका हो निर्यात करते हैं और जो पर्याप्त रूप से हमारे देश में उपलब्ध नहीं हैं ; और

(घ) क्या सरकार आंतरिक और बाहरी बाजारों में इन वस्तुओं का संतुलन बनाए रखने के लिये कुछ कदम उठाने का विचार रखती है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) अनन्तिम व्यापार आंकड़े सितम्बर, 1991 तक के उपलब्ध हैं । नई सरकार द्वारा शुरू किए गए व्यापार सुधारों के परिणामस्वरूप निर्यात के मासिक स्तर जून 1991 में 2573 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई 1991 में 3313 करोड़ रुपए, अगस्त, 1991 में 3441 करोड़ रुपए तथा सितम्बर, 1991 मे 3656 करोड़ करोड़ रुपए पर पहुंच गया ।

(ख) जुलाई-सितम्बर 1991 की तिमाही के दौरान मासिक औसत निर्यात 3470 करोड़ रुपये का हुआ जो वर्ष 1990 में इसी अवधि के दौरान हुए 2501 करोड़ रुपए और 1989 में इसी अवधि के दौरान हुए 2066 करोड़ रुपये के मासिक औसत निर्यात से अधिक था ।

(ग) ऐसी किसी मद का निर्यात नहीं किया जाता है ।

(घ) केवल ऐसी ही मदों के निर्यात को अनुमति दी जाती है जो निर्यात के लिए पर्याप्त मात्रा में बेशी हैं । ऐसा करते समय आंतरिक बाजार में मांग और उपलब्धता को ध्यान मे रखा जाता है ।

भारतीय विदेश व्यापार पर खाड़ी युद्ध का प्रभाव

376. **डा० अबरार अहमद :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष हुए खाड़ी युद्ध के कारण खाड़ी देश से किये जाने वाले आयात और निर्यात में किस सीमा तक गिरावट आई है तथा इसके परिणामस्वरूप हमारे देश को कितनी हानि हुई ;

(ख) क्या इराक पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पाबंदियां लगाये जाने के कारण भारतीय व्यापार भी प्रभावित हुआ है ;

(ग) यदि हां, तो भारतीय व्यापार पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है तथा इन पाबंदियों के कारण भारत को हुई हानि का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या कुवैत के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में भारत को कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं कुवैत को निर्यात करने के आदेश प्राप्त हुए हैं ; यदि हां, तो कुवैत को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) वर्ष 1989-90 तथा 1990-91 के दौरान खाड़ी देशों के साथ भारत के व्यापार को दर्शाने वाला विवरणपत्र संलग्न है । (नीचे देखिए))

(ख) और (ग) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा इराक के खिलाफ लगाए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण अगस्त, 1990 से उस देश के साथ कोई भी व्यापार नहीं किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्माण परियोजना निर्यातकों की 63 मीलियन अमरीकी डालर की देयता जिसको मार्च 1990 में हस्तांतरित आस्थगित भुगतान करार की शर्तों के अनुसार इराक से अपरिष्कृत तेल की सप्लाई के जरिए वसूल किया जाना था, इराक द्वारा नहीं चुकाया गया है। इराक के साथ वर्ष 1991 के लिए आस्थगित भुगतान करार को भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(घ) चालू वर्ष के दौरान, अगस्त 1991 तक कुवैत को 11.81 करोड़ रु० के निर्यात किए गए हैं। निर्यात की गई मदों में इंजीनियरी वस्तुएं, चावल, वस्त्र, फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद, मांस आदि शामिल हैं।

विवरण

खाड़ी देशों के साथ भारत का व्यापार

वर्ष	निर्यात	आयात
1989-90	1717.17	4835.17
1990-91	1567.42	6317.83

भारतीय राज्य व्यापार निगम का कार्य-निष्पादन

377. श्री राम जेठ मलानी :
श्री रणजीत सिंह :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1990-91 के दौरान भारतीय राज्य व्यापार निगम का कार्य-निष्पादन संतोषजनक नहीं रहा है ;

(ख) क्या सरकार ने निगम के कामकाज में सुधार लाने की दृष्टि से कुछ कदम उठाये हैं ;

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस निगम में काफी संख्या में कर्मचारी और अधिकारीगण कार्यरत हैं ;

(ङ) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष के शुरू में इस निगम में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी थी ; और

(च) वर्ष 1990-91 के दौरान इस निगम द्वारा कितना निवल लाभ अर्जित किया गया था तथा इस वित्तीय वर्ष में इसका कुल कितना प्रशासनिक खर्च हुआ ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) से (ग) यद्यपि एस०टी०सी० के वर्ष 1989-90 के दौरान 1855 करोड़ रुपए के कारोबार की तुलना में 1990-91 में हुए 1756 करोड़ रुपए के कुल कारोबार में नाम मात्र की कमी हुई, पी०एस०टी०सी० कारोबार करीब 2% के बराबर लाभप्रदता बनाए रख सका। वर्ष 1989-90 के दौरान 752 करोड़ रुपए की तुलना में 1990-91 में 369 करोड़ों रुपए का निर्यात हुआ। व्यापार नीति के हाल ही में किए गए परिवर्तनों के अनुसार समग्र कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के उद्देश्य से एस०टी०सी० के सम्मिलित उद्देश्यों को नियमानुसार पुनः परिभाषित किया गया है :

–प्रतिस्पर्धी व्यापार वातावरण मेंकाम करने वाले एक प्रधान अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार घराने के रूप में उभरना।

–नियोजित पूंजी पर पर्याप्त सुनिश्चित करना :

–सार्वजनिक नीति के एक प्रभावी उपकरण के रूप में कार्य करना।

दक्ष कार्य-संस्कृति को सुनिश्चित करने हेतु करियर प्लानिंग। पर जोर देते हुए प्रबंधन की एक सहानुभूतिपूर्ण एवं सहयोग पूर्ण शैली विकसित करना